Central Water Commission
WSE Dte.,
****

West Block II, Wing No-4
R. K. Puram, New Delhi – 66.

Dated 10.4.2019.

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings will be uploaded on the CWC website.

P. Mahendran
10/4/2019
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

O/C

Deputy Director, WSE Dte. 10/4/2019

Director, WSE Dte. 10/4/19

For information to

Chairman CWC, New Delhi

Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

News item/letter/article/editorial Published on 10.04.2019 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune ✓

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Breach threat as mining mafia damages Yamuna embankment

SHIV KUMAR SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

YAMUNANAGAR, APRIL 9

The mining mafia has damaged a large section of the "right lower down-stream embankment" (RLDSE) along the Yamuna at Tajewala village by carrying out illegal digging up to 50 feet deep along the embankment.

The illegal mining poses a threat of breach in the RLDSE during the rainy season and may further cause damage to Hathnikund Barrage besides wreaking havoc in villages of the area.

Sensing the gravity of the situation, an officer of the Irrigation and Water Resources Department of Yamunanagar district has written to the higher authorities demanding a blanket ban on mining activity in the area.

An 11,000 feet long, 20 feet wide and 25 feet high RLDSE had been constructed on the right bank of the Yamuna on Haryana side — the left bank of the river falls in Uttar Pradesh — close to old Tajewala Barrage to protect villages from flooding. The Irrigation Department also spent

CONTINUED ON PAGE 7

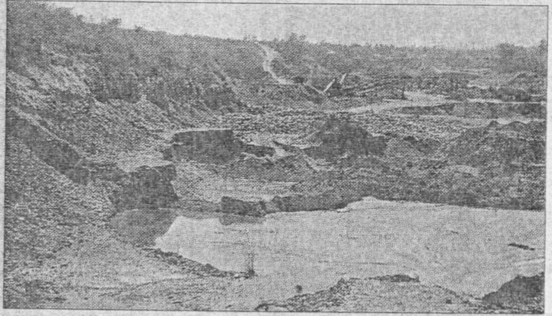

An illegally mined portion of the riverbed at Tajewala in Yamunanagar.

DIGGING UP TO 50 FEET AT TAJEWALA VILLAGE

- The Yamuna bed level is around 35 feet deep from upper end of embankment. The depth on other side is around 50 feet due to illegal mining
- Hundreds of acres close to the embankment have also been illegally mined in connivance with landowners. The involvement of officials cannot be ruled out
- An officer of the Irrigation Department has written to the higher authorities seeking a blanket ban on mining activity in the area

Yamuna embankment damaged

₹34 crore to strengthen the RLDSE from 2010 to 2016.

Sources said the bed level of the Yamuna was around 35 feet deep from the upper end of the RLDSE. However, the depth of its other side had gone down to around 50 feet due to illegal mining along the RLDSE, posing a strong threat of breach.

Besides, the mining mafia has carried out illegal mining on hundreds of acres close to RLDSE in connivance with landowners. The involvement of authorities of irrigation, mining and other departments cannot be ruled out. The RLDSE area falls under the Water Services Division, Dadupur.

'WILL BLOCK PATHWAYS'

"My predecessors got nine FIRs registered against persons involved in illegal mining in this area. We will now block illegal pathways in this area by putting up barricades. **Sanjay Simberwal, assistant mining engineer**

When Executive Engineer Haridev Kamboj was transferred to this division a few months ago, he wrote twice (on March 14 and April 1) to Yamunanagar DC Amna Tasneem, apprehending a breach in the RLDSE, damage to Hathnikund Barrage and loss of human life and property in the future. Sources say the local administration has held very few meetings in the past and taken no concrete step to curb illegal mining.

The state government had constructed Hathnikund Barrage in 1999, 3 km upstream on the Yamuna, replacing the old Tajewala Barrage, which was constructed in 1873.

Yamunanagar Assistant Mining Engineer Sanjay Simberwal said he had taken steps to stop illegal mining after being transferred here recently. Social activist advocate Waryam Singh said the government should take stringent action against erring officers.

News item/letter/article/editorial Published on 10.04.2019 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Dainik Bhaskar, New Delhi

यमुना खादर से भूजल निकालकर सप्लाई करने के प्रोजेक्ट में कोई प्रगति नहीं

गर्मी में हो सकती है पानी की किल्लत, 70 एमजीडी पानी बढ़ाने का प्रोजेक्ट अधूरा

लेकिन जिम्मेदार पानी को लेकर परेशानी नहीं होने का कर रहे दावा

आनंद पवार | नई दिल्ली

गर्मी के मौसम में दिल्ली की जनता को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। इसका कारण दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का गर्मी में भूजल से 70 एमजीडी पानी की जरूरत पूरी करने का प्रोजेक्ट अधूरा है। हालांकि जिम्मेदार गर्मी में पानी की किल्लत नहीं होने का दावा कर रहे हैं।

डीजेबी के वजीराबाद से ओखला तक यमुना खादर से भूजल निकालकर सप्लाई करने के प्रोजेक्ट में कोई प्रगति नहीं हुई है। यहां पर यमुना खादर के किनारे से भूजल निकालकर उसके पानी से अमोनिया कम करके सप्लाई करने का टेंडर ही फाइनल नहीं हुआ है। जानकारों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद पानी सप्लाई करने में तीन से चार महीने का समय लगेगा। ऐसे में साफ है कि इस बार गर्मी में पानी की जरूरत पूरी नहीं होगी। इसके अलावा द्वारका में पहचाने गए पॉकेट से मीठा पानी निकालना, बंद पड़े रेनी वेल्स और बोरवेल्स को फिर से चालू करना शामिल है। यह प्रोजेक्ट टेंडर प्रक्रिया में अटक गए हैं।

पानी से अमोनिया कम करके सप्लाई करने का टेंडर भी फाइनल नहीं

करीब 900 एमजीडी पानी उपलब्ध, 1150 की जरूरत

राजधानी दिल्ली में करीब 900 एमजीडी पानी की सप्लाई के लिए उपलब्ध है। इसको मांग के अनुसार दिल्ली के सभी इलाकों में सप्लाई किया जाता है। गर्मियों में मांग करीब 1150 एमजीडी तक पहुंच जाती है। ऐसे में कई इलाकों में पानी की कटौती और कम दबाव से सप्लाई की शिकायतें बढ़ जाती हैं।

दिल्ली के इन इलाकों में रहती है पानी की किल्लत

साउथ दिल्ली में संगम विहार, ओखला, कोटला मुबारकपुर, पूर्वी दिल्ली में करावल नगर, मुस्तफाबाद, उत्तरी दिल्ली में मॉडल टाउन, वजीरपुर रोहिणी के कुछ इलाके और वेस्ट दिल्ली में द्वारका सहित कुछ गांव में गर्मी में पानी की जोरदार किल्लत बढ़ जाती है। इससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

दिल्ली जल बोर्ड ने समीक्षा बैठक में दिए थे निर्देश

दिल्ली जल बोर्ड के चेयरमैन और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनवरी में पानी की सप्लाई के लिए पानी की वृद्धि के लिए समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक में करीब 70 एमजीडी भूजल के पानी से अमोनिया कम करके सप्लाई करने की योजना बनाई थी। फिर इस पानी को दिल्ली के तमाम इलाकों में सप्लाई किया जाना था। और इस प्रोजेक्ट के पूरा होने की समय सीमा 31 मार्च तय की गई थी। और इसमें संबंधित इलाकों के चीफ इंजीनियर को जवाबदेह बनाया गया था। लेकिन अभी तक टेंडर ही फाइनल नहीं हुआ है।

70 नए बोरवेल के निर्माण से 35 एमजीडी पानी बढ़ा

पल्ला से वजीराबाद तक 70 नए बोरवेल का निर्माण किया गया है। इसमें अमोनिया की मात्रा शून्य है। इस पानी की सप्लाई की प्रक्रिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। इससे लोगों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी। इससे करीब 35 एमजीडी पानी की वृद्धि हो गई है। बाकी जगह के लिए अमोनिया तकनीक स्थापित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द ही फाइनल कर ली जाएगी। अभी पिछले साल की तुलना में पानी की किल्लत नहीं हुई है।'

- दिनेश मोहनिया, उपाध्यक्ष, दिल्ली जल बोर्ड

News item/letter/article/editorial Published on 10.04.2019 in the

Hindustan Times	Hindustan (Hindi)	Deccan Chronicle
Statesman	Nav Bharat Times (Hindi)	Deccan Herald
The Time of India (New Delhi)	Punjab Keshari (Hindi)	The Times of India (A)
Indian Express	The Hindu (New Delhi)	Business standard
Tribune	Rajasthan Patrika (Hindi)	The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

Dainik Jagran, ✓

निर्मल गंगा योजना अमेरिकी जज की नजर में है जबरदस्त

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिकी राज्य हवाई के सुप्रीम कोर्ट के जज और अमेरिकी राज्य में पर्यावरण कानूनों के विशेषज्ञ जस्टिस माइकल डी. विल्सन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गंगा की तरफ एक सांस्कृतिक रुझान है। स्वच्छ नदी के लिए यह भारतीय समाधान होगा। उन्होंने कहा कि मोदी को गंगा नदी की परवाह है। साथ ही उन्होंने निर्मल गंगा योजना को एक जबरदस्त सामुदायिक परियोजना बताया है।

जस्टिस विल्सन ने मंगलवार को कहा कि जब कोई गंगा में जाता है तो वह न केवल भीगता है, बल्कि प्रेरित भी होता है। यह एक बेमिसाल सामुदायिक परियोजना है। उन्होंने कहा कि इतने अधिक प्रदूषण के बावजूद गंगा से लोगों ने नाता नहीं तोड़ा है। लोग उसका सम्मान करते हैं। इसके पौराणिक नजरिए से इसका 'भारतीय समाधान' हो सकता है। यह एक संस्कृति है, जो अनंत में विश्वास करती है। यह प्रतिबद्धता 2000 सालों से भी अधिक समय से संस्कृति और मान्यताओं में नजर आती है। भारतीय मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग के दौर और कार्बन उत्सर्जन के उच्च स्तरों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

News item/letter/article/editorial Published on 10.04.2019 in the

Hindustan Times
Statesman
The Time of India (New Delhi)
Indian Express
Tribune

Hindustan (Hindi) ✓
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu (New Delhi)
Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle
Deccan Herald
The Times of India (A)
Business standard
The Economic Times

and documented at Bhagirath (English) & Publicity Section, CWC

आज गर्मी से थोड़ी राहत के आसार

संकेत

- मंगलवार को लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा
- बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ के कारण बदलाव से बारिश की संभावना

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

राजधानी दिल्ली में मंगलवार को लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि, बुधवार को आंधी-पानी के चलते गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार की सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। दिन के समय भी लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के सफदरजंग केन्द्र में दिन का अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो कि सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। जबकि, न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि मंगलवार को लोगों को खासी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 40 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हालांकि, बुधवार को एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ दिल्ली वालों के लिए थोड़ी राहत लेकर आ सकता है। अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बुधवार को आंधी-पानी आ सकती है। हालांकि, इसके चलते गर्मी से मिलने वाली राहत ज्यादा देर तक टिकने वाली नहीं है। वहीं, दिल्ली की हवा में घुले-मिले प्रदूषक कण धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 204 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को खराब श्रेणी में रखा जाता है। लेकिन, पिछले दो दिनों की तुलना में देखें तो दिल्ली की हवा में सुधार का रुख है।